"आयदान"

सुप्रसिद्ध लेखिका उर्मिला पवार द्वारा लिखित
आत्मकथा पर आधारित नाटक

स्थान एवं समय

15 जुलाई, 2017 (शनिवार)
अपराह्न 02:00 बजे से
प्रेक्षागृह, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

आप सभी सादर आमंत्रित हैं!

आयोजक

महिला अध्ययन केन्द्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु
अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन, रायपुर

स्थान - प्रेक्षागृह, पं० र० शु० वि० वि० रायपुर
समय दोप: 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

"आयदान"

ी बाँस का बना सामान देखा है?

वही सूप, टोकरी वगैरह।

कणी भाषा में बाँस की पट्टियों से बने इन सामानों को 'आयदान' कहा जाता है।

यदान' कहानी है उर्मिला नाम की एक ऐसी लड़की की जो समाज की एक ाकथित निम्न 'कही जाने वाली' जाति से ताल्लुक रखती है। कथित निम्न तिगत पहचान और महिला होने के कारण उसे न केवल अपने सामाजिक जीवन ल्कि स्कूल में भी भेदभाव और अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना ता है।

कन इन सबके बावजूद उर्मिला आगे बढ़ने का ठानती है। इन परिस्थितियों से रने के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखती है और अपनी जिन्दगी के सफर में मिले भवों को शब्दों में पिरोना शुरू करती है। समय के साथ-साथ उसे एहसास होता के उसके लेखन और उसकी माँ के द्वारा 'आयदान' बनाने की प्रक्रियाओं में की समानताएँ हैं और इन दोनों के बीच बहुत ही गहरा सम्बन्ध है। प्रस्तुत टक न केवल उर्मिला बल्कि इसके माध्यम से उसके जैसी तमाम महिलाओं के न की कश्मकश और जटिलताओं को सामने लाने की कोशिश है।

इए, भागीदार बनते हैं इस जीवंत अनुभव का।

''आयदान'' सुप्रसिद्ध लेखिका उर्मिला पवार द्वारा लिखित आत्मकथा पर आधारित नाटक है. उर्मिला दलित और महिला आंदोलनों से भी जुड़ी हुई हैं.

नाटक का निर्देशन जानी-मानी मंच निर्देशक, कलाकार, लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता सुषमा देशपांडे ने किया है. सुषमा जी छत्तीसगढ़ में पहले भी ''हाँ मैं सावित्रीबाई फुले'' नामक एकल नाटक का मंचन करती रही हैं. इस नाटक के मंचन के बाद वह दर्शकों से नाटक से जुड़े मुद्दे को लेकर रू-ब-रू होंगी.

नंदिता धुरी, शिल्पासाने और शुभांगी सावरकर मराठी थिएटर की जानी मानी कलाकार हैं और अपने अभिनयों के लिए पुरष्कारों से भी सम्मानित की जा चुकी हैं.

परदे के पीछे जो नाटक मंचन में सहयोग करेंगे वे हैं सीताराम कुम्भार और संगीत देंगे, प्रतीक यादव.

छत्तीसगढ़ में "आयदान" का मंचन जिन जगहों पर होगा उसका विवरण इस प्रकार है :

दिनांक	6 जुलाई	7 जुलाई	8 जुलाई	9 जुलाई	10 जुलाई
स्थान	रायगढ़	जांजगीर	धमतरी	नगरी	कुरूद
दिनांक	11 जुलाई	12 जुलाई	13 जुलाई	14 जुलाई	15 जुलाई
स्थान	अभनपुर	रायपुर	बेमेतरा	भाटापारा	रायपुर

ज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय

ज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन के काम का एक भिन्न हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में शिक्षा और उस से सम्बंधित क्षेत्रों आ रहे अवरोधों और चुनौतियों से निपटने के लिए ज्ञान का सृजन करना और तिभाओं को विकसित करना है, जो इस क्षेत्र में दीर्घकालीन अभिवृद्धिकारक का ाम कर सकें. विश्वविद्यालय मजबूत सामाजिक हित के लिए प्रतिबद्ध है. यह देश के कुछ विश्वविद्यालयों में एक है जो शिक्षा और विकास के लिए समर्पित है और जसकी दृष्टि न्याय-संगत, समानता पर आधारित मानवीय तथा टिकाऊ समाज ी स्थापना है.

ज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन

ज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन , एक स्वेच्छिक संस्था है, जो मुख्यतः शिक्षा के मुद्दे पर ाम करती है. संस्था का भारत के संविधान में निहित मूल्यों में पूरा विश्वास है. संस्था का भारत में न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए गहरा, व्यापक और संस्थागत असर डालना चाहती है. हम शिक्षा से सम्बंधित विकास क्षेत्रों जैसे; स्वास्थ्य, पोषण, शासन - विधि और पर्यावरण से भी जुड़े हैं. विगत एक दशक से भी ज्यादा समय के कर्यानुभवों से हमने शिक्षा में गुणवत्ता और समानता के लिए व्यापक पैमाने पर गहराई के साथ स्थाई और संस्थागत रूप से कार्य करने की जरूरत को पहचाना है. आपने इन्हीं सरोकारों को लेकर हम निम्न लिखित चार मुद्धें पर अपनी ऊर्जा को केन्द्रित करना चाहते हैं.

सामजिक बदलाव के लिए चेतना का वातावरण

- ज्ञान का सतत् सृजन
- प्रतिभा का सृजन
- संस्थागत स्वरुप

Azim Premji Foundation

"आयदान"

लेखनः उर्मिला पवार

नाटय रूपांतर और निर्देशन : सुषमा देशपांडे

कलाकारः नंदिता धुरी, शिल्पा साने
और शुभांगी सावरकर

आयोजक :
अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु
अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन